

स्वाहा॥ॐ जू॥ वायनमः॥ स्वाहा॥ॐ वृद्धायनमः॥ स्वाहा॥ॐ वृद्धस्य
नयनमः॥ स्वाहा॥ॐ पु॥ का॥ यनमः॥ स्वाहा॥ॐ गति॥ वायनमः॥
स्वाहा॥ॐ ग्राह॥ वनमः॥ स्वाहा॥ॐ क॥ तवे॥ नमः॥ स्वाहा॥ॐ ज॥ म॥ न॥
य॥ स्वाहा॥ १०॥ॐ जू॥ म॥ न॥ ववायनमः॥ स्वाहा॥ॐ व॥ पु॥ र॥ नवा
यनमः॥ स्वाहा॥ॐ उ॥ म॥ ल॥ न॥ ववायनमः॥ स्वाहा॥ॐ क॥ पाल॥ न॥ ववा
यनमः॥ स्वाहा॥ॐ म॥ न॥ न॥ ववायनमः॥ स्वाहा॥ॐ र॥ न॥ न॥ ववायनमः॥

2722

[illegible]

॥ १२ ॥ ॐ अ० हं हं ॥ अ० का० वायू, मं रुडदक पृथी वि साधि मं
० य वि वा नं य ॥ ॐ दे व लि गृ द्गु, वा द नु, पी व नु ज ० हं वं हं
० प्र कान्, म म म र्ध स त्वा ना वः, शा न्ति पू र्ण कृ न्, न कां व न ल सु किं
दु र्ध हं हं हं व ज ध न अ ह्वा य य गि स्वा हा ॥ य र्गु न व लि ॥ वायू ॥
॥ १३ ॥ ॐ नमो भूयः य न्था ग ना या हं नं स म्भ र्ण वृ द्वा य ॥ गृ य थ
ॐ य न् २ य स न २ ग न २ ग न् २ स म्भ र्ण वृ द्वा य २ स र्ध ध नाः

नां स्वाहा ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥
 बुनिवासनाती ॥ महावनी गिथनाती ॥ हं हं स्वाहा ॥ धनवलि ॥ ॐ
 नमः ॥ १४ ॥ ॐ ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥
 स ॥ वड ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥
 क्रतु ॥ ली ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥
 ॥ १५ ॥ ॐ ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥

चतुर्विंशतिराय ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥
 लमालधवाय ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥
 य ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥
 दिदी ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥
 ग ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥
 लावनाय ॥ अयमत्र ननु ॥ अत्र गालं यकी ॥ (८) दद्याम्यहं सर्वं लोकाय ॥

[illegible]

हिन्दु शक्तिद्वय, निविशकं रूद्रस्वाहा ॥ १८ ॥ उं ह्रीं नमो
 ह्ययकलीयैकनीमलयकसेनाययं ययं ययं ययं ययं
 नाना नाना नाना नाना नाना नाना नाना नाना नाना नाना
 ययि ययि ययि ययि ययि ययि ययि ययि ययि ययि ययि
 नाकादि मम मम ययि ययि ययि ययि ययि ययि ययि ययि ययि ययि
 ननीमलयकनी सच्चिदानन्दनी ददि उं ह्रीं नमो स्वाहा ॥

॥ ७९ ॥ ॐ आर्या महाप्रणिश्रवा महासाहस्यमर्दनी महा
प्रायुवी महाभीमवनी महामन्त्रावली वृद्धाष्टमहात्मो
नी विशादयामहावता मामकीरुद्वीवता मोदवी तथा इष्टी
वृद्धाष्टकलयाष्टता महाप्रतापे प्रव महाकालीवृद्धीव व
वृद्धी तथा यवा सुयागीवृद्धया गाव वृद्धयागी महावता वृद्धमा
लामहाविद्या तथा वामनकृष्णली अयवाजितामहादवी कालक

वृद्धमहावता तथा धन्यामहासागम यमकृष्णलीमंदव यम्यदनी
मलीवृद्धा सुवर्णकक्षीवधिकला मथोधनमजा तथा दवी धन्या
वधियुमालिनी वाक्यकजटाविव वृद्धाक्रिगिनायका कायालि
नीमहासागम धन्यालंकष्वी तथा ॥ अन्त्याष्टवद्वीविद्या सुखानुय
रु कालिनी ॥ तथा ॐ कालिकलालीवृद्धाष्टी ईश्विनी कमलाक्षी
हनिगीरुविकक्षी यमवृद्धी यमनाक्षी ववमीवर तथा सनी य

निरुद्धं गन्धपुष्पधूपदलिवंदाश्यामि, नक्राकूटं २ समसर्वसत्त्वा
 नाकं, सर्वरूपोपदेवाय, ५ जीवन्मुक्तवृत्तगर्भं, चन्द्रकुम्भसदृशं
 नं, सिद्धिं कुम्भसदृशं यदस्य ४ स्वाहा ॥ २० ॥ इति मालाकनाथाय ॥ दवा
 शुभयकनाकसादिनिवन्दिनयादयुग्माय, जूलाखादिशदिनी
 पुष्पलवित्तिनकावृत्तिकाय, ०० दं वलिङ्गनादिशदिनी, गृह्ण २ मा
 सर्वसत्त्वानाकं, नवकादिङ्ग ४ स्वाहा नय २ उद्धय २ सद्धय २ वद्धय २

सधर्मसत्य, सद्यसत्य, सत्यवादिशत्यन ३ ॥ १ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 उद्धय २ मादय २ वद्धय २ समसर्वसत्त्वानाकं, ४ ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥
 ॥ २२ ॥ ॥ इति मालाकनाथाय ॥ दवा शुभयकनाकसादिनिवन्दिनयादयुग्माय, जूलाखादिशदिनी
 पुष्पलवित्तिनकावृत्तिकाय, ०० दं वलिङ्गनादिशदिनी, गृह्ण २ मा

निखादा ॥ २७ ॥ उँ वजालिज ॥ वं वहा ॥ वज्जुजकिन्यसमयदा ॥
वज्जुजलि उँ विकाटवलि द्यागु निषाद कँ उँ ख २ खादि २ स वयन
वाकसह मयगधिषात्मादायमान, जकजकिनादय ॥ ०० मँ व
लिगृह्णन्तु समयवक्तु, ममसर्वसिद्धिमपय ॥ उँ मँ व, पीवृन्तु, सी
यु, ०० मँ वलिगृह्णन्तु २ कँ २ रुद्र २ खादा ॥ २७ ॥ उँ गावलीसर्वइसाद
नी, सर्वसयनासनी, वज्जुमयि रुयविधं सनी, दवाहननन, गंधर्वा

सूत्रकिन्नवमहावगायुपदवयसमनी, यत्र हतयत्तु मन्त्रादि
यथागादिनासनि, रुमंत्रगि, इन्द्रागावली, आगच्छ २ ०० दँ वलि
गृह्णन्तु ममसर्वसक, ख २ खादि २ सर्ववन्धव्याधनिग्रहानि कँ ३
रुद्र २ खादा ॥ २७ ॥ उँ न मायवगुपासगथागमाया कँ कँ, स
म्यकैर्षवृद्धय, गयथा ॥ उँ मू २ न व २ न व २ र्शगव २, गयथा २
सर्वयुगाती खादा ॥ २८ ॥ उँ रुद्रि एकजटी, नमो रुगवम

[illegible]

कट२ सुयनवँयोरका (धो) खादा ॥ ३० ॥ डं न माय मा क का
य की जी वि क नान नाय ना गा रु वे लाय उ ला क वि म द न य ड ड
काय सर्व मा व वि ना लाय ॐ मँ व लि गृ क २ म म स र्व वि घ्ना न रु
व २ व ३ मँ वानान् नि वा न य २ हं २ रु २ खादा ॥ ३१ ॥ डं न मा
स र्व ध म म व ड धी का म व ड म हा काल ला श न न व ग म ना य का म
स रु ४ हं जी की ॐ मँ व लि गृ क २ स २ खादि २ स र्व इष्ट स त्व द म

द म क रु हा दि दी इ रु रु हा दो हं रु ४ खादा ॥ ३२ ॥ न म ४ जी
जा मु ली य स र्व य रु मा वी य वि ष इ ष्टे ली रु क ली य वृ त्ताः
वि ली सँ घ ट नि मि त मा न ह अ उ वि द्ये (ध २ ॐ मँ व लि गु ज जी य
गु र्ज ४ खादा ॥ ३३ ॥ डं न मा रु ग व न म हा उ ति मि व स र्व
गु र ग नि क न अ ली ति या ग ल त स रु प्र रु व ॐ मँ व लि ग न्ध यु ष
धू य दी य गृ क २ य न क न वि न् म रु य नु ग रु वि द्य ष वि ष ष्टे ष

दुपमू (मरुषु मरुदधिषु ग्रामयुधाययुवनिमलषु दवाधिव
 मरुषु मरुतमेषु मरुतलथयययुदधुमेषु विहाववव्यावसधध
 मरुषु मरुथमसा मरुवकुमरुताना यरुहताधिरुगृहवसकि। व
 धमरुवीधियुववत्वमेषु यविकवृकषु मरुप(०)षु मरुतानमेषु
 मरुवमेषु सिंहादिमरुतादिवनेषु वसकिताताधिमरुतागवीषु
 दीयषु दवाययययययय मरुमासा मरुनिवसकि यय। हस

सप्तमस्तु गन्धमाल्या, पूष्यं बलिधूपं विनयनं च, गृहलक्ष्मणः
पितृभ्यः, उदकं च दत्तं कर्म स ह्यनं गृहं नृणां दीनयं गच्छात् ॥
धनयलिकर्म पूजाविधिः ॥ ॥ स्वप्रयुजा ॥ लोचनं ॥ कर्मायः
लालसा सा, ताके कार्या गत्यव, यद्युद्धयत्वे या नो धेहीषु, स्वमः
नाथं नमस्कृतं ॥ ॥ यद्युद्धयत्वे, सीकल्या ॥ ॥ धिनयुता सनाथा
गलसुवृक्षका, लाकपालाह, नीला, यका वा कापि गवा, धिधि

गलसुवृक्षका, लाकपालाह, नीला, यका वा कापि गवा, धिधि
दिना, यानमवधिदत्तं ॥ अथादि ॥ अथादि ॥ अथादि ॥ अथादि ॥
कर्म कर्म, यद्युद्धयत्वे, सीकल्या ॥ ॥ धिनयुता सनाथा
कर्म ॥ यद्युद्धयत्वे, सीकल्या ॥ ॥ धिनयुता सनाथा
यका वा कापि गवा, धिधि
मूमनसो ॥ उज्ज्वला, वीनव ॥ ॥ नमः ॥

प्राची, सर्वतथागताधिष्ठाताधिष्ठित, सर्वदवानां वदितं पृ
 ष्ठितं, सूर्यसाधिष्ठित, वज्रधा, (वज्रवज्रावद, वज्रायुध, वज्रः
 काशायणी, वज्राभिलिगाकि, अकथयअथास, धानवृषिणी
 विष्णुनदगन, वदय्याल्लहगनीवीन, उरुगवनीवृ, उरुवृशका
 कूंडांजी, आसि, मुं, मा, वृ, ना, यक, २, आवलय, २, गृह्णापय, २, रुन, २
 सव, २, मावय, २, ऊ, २, ये, २, रुन, २, दह, २, पव, २, क, २, म, म, द, ह, ग

यदुहल, एकादिक, आदिक, आदिक, वायुधक, सफादिक, अ
 र्द्धमासिक, अर्द्धदेवसिक, मोहुरिक, वारिक, यलिक, (श्री
 क, धानियातिक, यदुहलवगउयक, वाकसुहका, उयातिज
 क, मज्जक, वन, जंगमयैममादिगानिक, सर्वइष्टान्, साधय, २
 मध्य, २, गाय, २, (गामय, २, उन्माय, २, रुन, वक, न, सवेद, उन, मा
 व, २, रुह, २, उरुगवतिवृ, क, क, क, वृ, २, उ, २, जा, २, उ, वल, वल, व

सप्तपञ्चा

दंखाहा ॥ ॐ निहाविल्यामालामनु ॥ ॐ ॥ उं नमः शीवरा
सत्वाय ॥ दानपूजाधि ॥ गुलिदानविद्यमाला उं नमः शीवरा
होतामथावध ॥ धनवलिपात ॥ विद्युद्वानदकीपूजा ॥ दान
सकनन ॥ उं नमः शीवरा ॥ सूर्यसाममहोदध ॥ धनीप
उवधनथा ॥ वृद्धसामिगुक्तव नविजं वाङ्क कउकं ॥ वृद्धव
जाकेन (धन) कजयाति कुमात्रकं ॥ ग्रह (धन) प्रनकर्ष ॥ दान

काद्यां वनपदा ॥ सदायडवर्मलावर मदाविशामहर्द्धिका ॥ धन
कमुविबुधकवा विवृपाककववर्क ॥ सखादिनीनययका
पुलामामिसिशास्यद ॥ लोकियुष्टि कसर्षमिद्धि कवकुगननमः
या ॥ ॥ सूर्यसाममहोदध वृद्धववगुवृद्धे ॥ निधयवाय
हानाङ्क कउजमायगमेनमः ॥ दनलाद्यय ॥ ॥ धनदान
कोतामपूजा ॥ उं वजावायमूरुखा ॥ ॐ दं पूर्यनमः ॥ कनन ॥ ॥

यद्वत्तमस्तन्न

[illegible]

X

सूर्य्यारुमिहागर

[illegible]

सुखदुःख

येनमः स्वाहा ॥ ॐ हं रुद्र मुहान येनमः स्वाहा ॥ ८ ॥ ॐ वज्र वधुरे
नवाय स्वाहा ॥ ॐ वी न वधुरे नवाय स्वाहा ॥ ॐ वज्र वधुरे नवाय स्वाहा
ॐ धा न वधुरे नवाय स्वाहा ॥ ॐ काल वधुरे नवाय स्वाहा ॥ ॐ रु
प वधुरे नवाय स्वाहा ॥ ८ ॥ ॐ वासुकि नाग राजाय स्वाहा ॥ ॐ
नक क नाग राजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ सीतपाल नाग राजाय नमः स्वा
हा ॥ ॐ कूलिक नाग राजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ यम नाग राजाय नमः स्वा

हा ॥ ॐ कर्कारिक नाग राजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ अन्नक नाग राजाय न
मः स्वाहा ॥ ॐ मुहयम नाग राजाय नमः स्वाहा ॥ ८ ॥ ॐ रुद्र म नू
पर्वत नाग राजाय स्वाहा ॥ ॐ म नय पर्वताय नमः स्वाहा ॥ ॐ मा रुद्र प
र्वताय नमः स्वाहा ॥ ॐ रुद्र सुकट पर्वताय नमः स्वाहा ॥ ॐ रुद्र धा
लय पर्वताय नमः स्वाहा ॥ ॐ कलाय पर्वताय नमः स्वाहा ॥ ॐ पी पर्व
ताय नमः स्वाहा ॥ ॐ मो रुद्र पर्वताय नमः स्वाहा ॥ ८ ॥ ॐ क म्ब व

